राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी 2007
सिंहावलोकन
1. प्रकाशन

1.01 केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (के.सां.सं.), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय नियमित रूप से राष्ट्रीय लेखा समाहारों (अर्थात घरेलू उत्पाद, उपभोग व्यय, पूंजी निर्माण, बचत तथा पूंजी स्टॉक आदि) के संपूर्ण अर्थव्यवस्था एवं सार्वजनिक क्षेत्र के अनुमान प्रचलित एवं स्थिर मूल्यों (1999-2000)पर संकलित करता है और उनको राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी नामक प्रकाशन में प्रकाशित करता है । प्रत्येक वर्ष के जनवरी माह में केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन पूर्व वर्ष के मार्च माह में समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए, राष्ट्रीय लेखा समाहारों के त्वरित अनुमान जारी करता है । ये अनुमान 10 माह के अंतराल पर कृषि उत्पादन, औद्योगिक उत्पादन, सरकारी व्यय तथा रेलवे, संचार,और गैर-विभागीय वाणिज्यिक उपक्रमों आदि से संबंधित अन्य प्रचलित /आंशिक अद्यतन आंकड़ों के आधार पर प्रकाशित किए जाते हैं । पूर्व वितीय वर्ष के लिए "त्वरित" अनुमानों को जारी करने के साथ-साथ केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन विभिन्न स्रोत अभिकरणों से उपलब्ध विस्तृत और अधिक संपूर्ण आंकड़ों का उपयोग करते हुए कुछ पूर्व वित्तीय वर्षों के अनुमानों को संशोधित भी करता है ।

1.02 "त्वरित" अनुमानों और उनके संशोधनों के अलावा केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन प्रचलित वित्तीय वर्ष के लिए मुख्य समष्टि आर्थिक समाहारों के अनुमान भी वर्ष के लगभग दो माह पूर्व संकलित करता है और उनको "अग्रिम" अनुमानों के रूप में जारी करता है । "अग्रिम" अनुमानों को जारी करने में उद्योग द्वारा दोनों प्रचलित और स्थिर मूल्यों तथा कारक लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (जी एन पी)निवल राष्ट्रीय उत्पाद (एनएनपी), सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी),निवल घरेलू उत्पाद (एनडीपी)और प्रति व्यक्ति आय (कारक लागत पर प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय उत्पाद) अंतर्विष्ट हैं । इन अनुमानों को बाद में जून के अंतिम कार्य दिवस को अर्थात तीन माह के अंतराल पर अग्रिम अनुमानों के अद्यतनीकरण के रूप में जारी किया जाता है ।

1.03 राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी(एन ए एस)-2007 के वर्तमान अंक में वर्ष 2005-06 के लिए समष्टि आर्थिक समाहारों के त्वरित अनुमान तथा वर्ष 2006-07 के लिए अग्रिम अनुमान शामिल हैं। 28 फरवरी, 2007 को जारी किए गए वर्ष 2003-04 से 2006-07 के लिए सकल घरेलू(जीडीपी)के त्रैमासिक अनुमानों को भी प्रस्तुत किया गया है। इस प्रकाशन के पांच भाग हैं। प्रत्येक भाग का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया हैः-

भाग-1 - *समष्टि आर्थिक समाहार* - इस भाग में स्थिर मूल्यों (1999-2000) पर कारक लागत और बाजार मूल्यों पर जीडीपी, एनडीपी, जीएनपी, और एनएनपी, स्थिर पूंजी का उपभोग (सीएफसी),निजी अंतिम उपभोग खर्च (पीएफसीई,), सरकारी अंतिम उपभोग खर्च (जीएफसीई), निर्यात और आयात, पूंजी निर्माण और बचत का संक्षिप्त ब्यौरा अंतर्विष्ट है । इस भाग में राष्ट्र का समेकित लेखा एवं सार्वजनिक क्षेत्र का निष्पादन भी दर्शाया गया है ।

भाग-2 - *घरेलू उत्पाद* - राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी(एन ए एस)-2007 का यह भाग प्रतिशत वितरण और वृद्धि दरों सहित मूल उद्योग अर्थात् आर्थिक गतिविधि द्वारा सकल घरेलू उत्पाद और निवल घरेलू उत्पाद संबंधी विवरण प्रस्तुत करता है ।

भाग-3 - *उपभोग, बचत और पूंजी निर्माण* - यह भाग निजी अंतिम उपभोग, बचत और पूंजी निर्माण के कुछ विस्तृत ब्यौरों के अनुमान प्रस्तुत करता है । पीएफसीई के अनुमानों को लगभग 38 सामग्री समूहों के लिए अलग से प्रस्तुत किया गया है तथा सकल घरेलू बचत के अनुमान संस्थानों के प्रकार के अनुसार एवं पूंजी निर्माण के अनुमान, (जिनमें स्थिर पूंजी निर्माण एवं भण्डारों में परिवर्तन भी सम्मिलित है) को संपत्तियों एवं संस्थानों के प्रकार के तथा ''उद्योग के उपयोग'' के अनुसार प्रस्तुत किया गया है ।

भाग-4 - *सार्वजनिक क्षेत्र के लेन-देन* - यह भाग सकल घरेलू उत्पाद और निवल घरेलू उत्पाद (संस्थानों एवं आर्थिक गतिविधियों के प्रकार द्वारा) सरकारी अंतिम उपभोग खर्च (उददेश्य द्वारा), बचत और पूंजी निर्माण (संस्थानों के प्रकार एवं उद्योगों के उपभोग द्वारा) जैसी समष्टियों के सार्वजनिक क्षेत्र के घटकों के ब्यौरे मुहैया करवाता है । यह भाग वास्तव में कारक आय, आर्थिक गतिविधि और संस्थानों की टाइप, नामक एक त्रि-स्तरीय वर्गीकरण के द्वारा आर्थिक लेखों के ब्यौरे प्रस्तुत करता है । प्रशासनिक विभागों के अंतिम उपभोग खर्च को कर्मचारियों के पारिश्रमिक संबंधी खर्चों, केन्द्र सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय प्राधिकरणों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की अलग से की गई निवल खरीद के लिए भी अलग से दिया जाता है । प्रशासनिक विभागों के खर्च के ब्यौरे आर्थिक और उद्देश्य वर्गीकरण श्रेणियों द्वारा भी मुहैया कराए गये हैं ।

भाग-5 - *पृथक्कृत विवरण* - यह भाग फसल/मद/श्रेणी स्तर पर व्यापक असमिष्टिय ब्यौरे प्रस्तुत करता है । असमिष्टिय आंकड़ों का स्वरूप और परिमाण सूचना और मूल्यांकन की प्रक्रिया पर निर्भर करते हुए उद्योग-दर-उद्योग भिन्न-भिन्न होता है। बचत के संबंध में असमष्टिय अनुमान, वित्तीय परिसंपत्तियों तथा घरेलू (पारिवारिक) क्षेत्र की जिम्मेदारियों से संबंधित होते हैं । परिसंपत्तियों की टाइप तथा संस्थानों और बाहरी लेन-देन लेखों की टाईप द्वारा पूंजी निर्माण के अनुमान भी इस भाग में प्रस्तुत किए गए हैं ।

1.04 राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी (एन ए एस)-2007 में विवरणों का एक अतिरिक्त खंड भी है जो अनेक उपयोगी विशेष विवरण प्रस्तुत करता है ।

2. अर्थव्यवस्था

सकल देशीय उत्पाद तथा राष्ट्रीय आय

2.01 वर्ष 2006-07 के लिए स्थिर (1999-2000) मूल्यों पर 28,44,022 करोड़ रूपये के अग्रिम अनुमान की तुलना में 2005-06 के लिए कारक लागत पर सकल देशीय उत्पाद के त्वरित अनुमान, 26,04,532 करोड़ रूपये होकर वर्ष 2006-07 में 9.2 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर्शा रहे हैं । प्रचलित मूल्यों पर, वर्ष 2005-06 के लिए 32,50,932 करोड़ रूपये के त्वरित अनुमान की तुलना में वर्ष 2006-07 के लिए कारक लागत पर सकल देशीय उत्पाद के अग्रिम अनुमान, वर्ष के दौरान 14.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए 37,17,465 करोड़ रूपये हो गये हैं।

2.02 वर्ष 2005-06 के लिए 22,95,243 करोड़ रू. के त्वरित अनुमानों की तुलना में वर्ष 2006-07 के लिए स्थिर 1999-2000 मूल्यों पर राष्ट्रीय आय (अर्थात कारक लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद) के अग्रिम अनुमान 9.6 प्रतिशत की वृद्धि इंगित करते हुए 25,15,372 करोड़ रूपये अनुमानित किये गये हैं। प्रचलित मूल्यों पर वर्ष 2005-06 के लिए 28,46,762 करोड़ रू. के त्वरित अनुमान की तुलना में वर्ष

2006-07 के लिए अग्रिम अनुमान वर्ष के दौरान 14.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए 32,67,371 करोड़ रूपये अनुमानित किये गये हैं ।

2.03 वर्ष 2005-06 के लिए 20,734 रू. के त्वरित अनुमान की तुलना में वर्ष 2006-07 के लिए अग्रिम अनुमानों के अनुसार प्रति व्यक्ति वास्तविक आय अर्थात स्थिर (1999-2000) मूल्यों पर कारक लागत पर प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय उत्पाद 22,379 रू. है । यह वर्ष 2006-07 के दौरान लगभग 7.9 प्रतिशत की प्रति व्यक्ति वास्तविक आय की वृद्धि दर्शाते हैं । प्रचलित मूल्यों पर, वर्ष 2005-06 में 25,716 रू.(त्वरित अनुमान) की तुलना में 13.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए वर्ष 2006-07 में 29,069 रू.(अग्रिम अनुमान) अनुमानित किए गए है ।

सारणी-1: कारक लागत पर सकल देशीय उत्पाद एवं राष्ट्रीय आय

वर्ष	सकल देशीय उत्पाद (करोड़ रूपये)		निवल राष्ट्रीय उत्पाद (करोड़ रूपये)		प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय उत्पाद (रूपये)	
	प्रचलित भावों पर	1999-00 के भावों पर	प्रचलित भावों पर	1999-00 के भावों पर	प्रचलित भावों पर	1999-00 के भावों पर
1999-00	1786525	1786525	1585501	1585501	15839	15839
2000-01	1925415	1864773	1696387	1643998	16648	16133
2001-02	2100187	1972912	1847667	1739876	17800	16762
2002-03	2265304	2047733	1993846	1801430	18899	17075
2003-04	2549418	2222591	2246465	1959599	20936	18263
2004-05	2855933	2389660	2501067	2103350	22946	19297
2005-06 (त्वरित अनुमान)	3250932	2604532	2846762	2295243	25716	20734
2006-07 (अग्रिम अनुमान)	3717465	2844022	3267371	2515372	29069	22379
पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि						
2000-01	7.8	4.4	7.0	3.7	5.1	1.9
2001-02	9.1	5.8	8.9	5.8	6.9	3.9
2002-03	7.9	3.8	7.9	3.5	6.2	1.9
2003-04	12.5	8.5	12.7	8.8	10.8	7.0
2004-05	12.0	7.5	11.3	7.3	9.6	5.7
2005-06 (त्वरित अनुमान)	13.8	9.0	13.8	9.1	12.1	7.4
2006-07 (अग्रिम अनुमान)	14.4	9.2	14.8	9.6	13.0	7.9

प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय उत्पाद

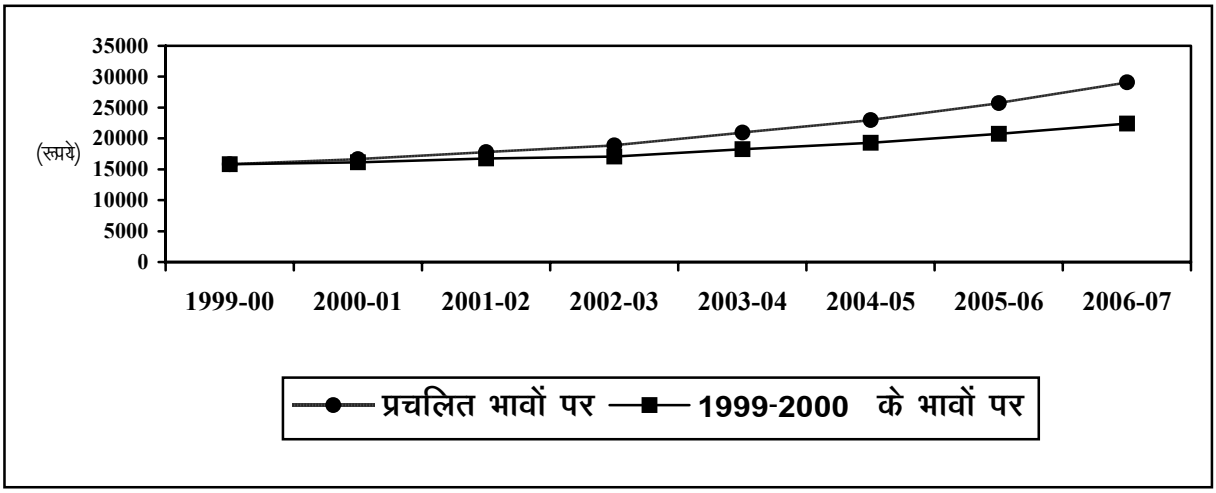

2.04 अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में सकल घरेलू उत्पाद (कारक लागत पर) के प्रतिशत में परिवर्तन जो सारणी 2 में प्रस्तुत किए गए हैं, वर्ष 2005-06 के दौरान मत्स्यन (4.1 प्रतिशत), वानिकी एवं लट्ठा बनाना (1.6 प्रतिशत), खनन तथा उत्खनन (3.6 प्रतिशत) की मामूली वृद्धि दर्शाते हैं। संचार (23.9 प्रतिशत), अन्य परिवहन (8.9 प्रतिशत), निर्माण (14.2 प्रतिशत), बैंकिंग एवं बीमा (14.0 प्रतिशत) अन्य सेवाएं (9.4 प्रतिशत), स्थावर संपदा, आवासों का स्वामित्व एवं व्यावसायिक सेवाएं (8.6 प्रतिशत), लोक प्रशासन एवं रक्षा (8.2 प्रतिशत), विनिर्माण (9.1 प्रतिशत) एवं रेलवे (7.7 प्रतिशत) की उच्च वृद्धि के कारण इस अवधि के दौरान कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद में 9.0 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि दर प्राप्त हुई है ।

सारणी-2 : अर्थव्यवस्था के चयनित क्षेत्रों के सकल देशीय उत्पाद में पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन

(1999-2000 के मूल्यों पर)

क्षेत्र		2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
1.	कृषि	-0.6	6.5	-8.1	10.9	-0.2	6.3
2.	वानिकी एवं लटठा बनाना	2.7	3.1	0.7	-1.1	1.6	1.6
3.	मत्स्यन	4.7	5.0	4.1	3.6	1.5	4.1
4.	खनन तथा उत्खनन	2.4	1.8	8.8	3.1	7.5	3.6
5.	विनिर्माण	7.7	2.5	6.8	6.6	8.7	9.1
6.	विद्युत, गैस एवं जल आपूर्ति	2.1	1.7	4.7	4.8	7.5	5.3
7.	निर्माण	6.2	4.0	7.9	12.0	14.1	14.2
8.	व्यापार,होटल एवं जलपान गृह	5.2	9.6	6.9	10.3	8.4	8.2
9.	रेलवे	4.1	7.0	5.6	6.5	5.7	7.7
10	अन्य परिवहन	7.7	4.0	10.3	11.9	12.8	8.9
11	संचार	26.9	19.5	25.6	25.4	22.8	23.9
12	बैंकिंग एवं बीमा	-2.0	9.1	11.3	2.2	8.8	14.0
13	स्थावर संपदा, आवासों का स्वामित्व एवं व्यावसायिक सेवायें	9.1	5.9	5.4	8.3	8.6	8.6
14	लोक प्रशासन एवं रक्षा	2.1	2.9	1.6	2.6	9.0	5.4
15	अन्य सेवाएं	7.1	5.1	5.8	7.6	7.2	9.4
16	कुल सकल देशीय उत्पाद	4.4	5.8	3.8	8.5	7.5	9.0

2.05 *कृषि एवं पशुधन क्षेत्र का निष्पादन* : वर्ष 2005-06 में कृषि के उत्पादन मूल्य में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि वर्ष 2004-05 में -1.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसी अवधि के दौरान पशुधन उत्पादन में 5.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष के दौरान खाद्यान्न , तिलहन एवं कपास के उत्पादन में वृद्धि हुई। वर्ष 2005-06 में गन्ने के उत्पादन में 1.4 प्रतिशत से बढकर 18.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

सारणी-3: कृषि का निष्पादन

मद		1999-00	2003-04	2004-05	2005-06	वृद्धि दर	
						2004-05	2005-06
1.	उत्पादन मूल्य (1999-2000 के मूल्यों पर करोड़	512363	549572	550098	581994	0.1	5.8
1.1	कृषि	382832	402272	397848	420699	-1.1	5.7
1.2	पशुधन	129531	147300	152250	161294	3.4	5.9
2.	चुने हुए निवेशों का मूल्य (1999-2000 के मूल्यों पर करोड़ रूपये)						
2.1	रसायन उर्वरक	21205	18210	18574	19650	2.0	5.8
2.2	डीजल तेल	5609	6704	7065	7471	5.4	5.7
2.3	जैव खाद	5821	5702	5791	5981	1.6	3.3
2.4	पशुधन का आहार	53840	60607	60821	61005	0.4	0.3
2.5	बीज	9022	8505	8452	8938	-0.6	5.7
3	चुनी हुई फसलों का उत्पादन (मिलियन टन में)						
3.1	खाद्यान्न	209.80	213.19	198.36	208.59	-7.0	5.2
3.1.1	चावल के संदर्भ में धान	89.68	88.53	83.13	91.79	-6.1	10.4
3.1.2	गेहूं	76.37	72.15	68.64	69.35	-4.9	1.0
3.1.3	मोटे अनाज	30.34	37.60	33.46	34.06	-11.0	1.8
3.1.4	दालें	13.41	14.91	13.13	13.39	-11.9	2.0
3.2	तिलहन	20.71	25.19	24.35	27.98	-3.3	14.9
3.3	कपास (170 कि.ग्रा.की दस लाख गांठे)	11.53	13.73	16.43	18.50	19.7	12.6
3.4	गन्ना	299.32	233.86	237.09	281.17	1.4	18.6

2.06 *गैर-कृषि वस्तुओं के उत्पादन क्षेत्र का निष्पादन* : वर्ष के दौरान गैर-कृषि वस्तुओं के उत्पादन सूचकांक में पिछले वर्ष की तुलना में खनन; मांस, मछली (मत्स्य)फल; लकड़ी व लकड़ी उत्पाद; कागज और प्रकाशन; रसायन व रसायन उत्पाद; धातु उत्पाद व मशीनरा एवं विद्युत मशीनरी में क्रमशः 1.0 प्रतिशत, 2.0 प्रतिशत, (-)3.8 प्रतिशत, (-)0.9 प्रतिशत, 8.4 प्रतिशत, 7.3 प्रतिशत और 13.4 प्रतिशत की नकारात्मक वृद्धि दर दर्ज की गई ।

सारणी-4: द्विअंक स्तर पर गैर-कृषि वस्तुओं के उत्पादन के सूचकांक (1999-2000 =100)

उद्योग	रा.औ. व. कोड	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	वृद्धि दर 2004-05	2005-06
खनन	101-142	104.1	110.2	115.9	121.1	122.3	4.4	1.0
मांस, मछली (मत्स्य)फल,	151	150.4	191.6	221.5	262.0	267.2	18.3	2.0
डेयरी उत्पाद	152	77.5	93.5	88.3	88.6	90.3	0.4	2.0
अन्न मिल उत्पाद	153	103.0	115.8	128.4	120.4	122.7	-6.3	2.0
अन्य खाद्य उत्पाद	154	107.0	111.1	103.6	94.1	96.0	-9.1	2.0
पेयशरबत	155	128.6	171.7	191.2	210.2	239.3	9.9	13.8
तम्बाकू	16	73.4	66.6	60.3	66.3	91.8	10.0	38.3
वस्त्र की कताई, बुनाई और फिनिशिंग	171+172+173	104.7	108.6	107.9	118.4	127.9	9.8	8.0
पहनने के कपड़े	181-18105	101.9	122.7	118.1	140.7	163.7	19.1	16.3
(चमड़ा) चर्म एवम्	182+19	115.8	110.9	105.7	115.3	110.9	9.0	-3.8
लकड़ी व लकड़ी उत्पाद	20	91.5	75.4	80.6	73.7	69.5	-8.5	-5.7
कागज और प्रकाशन	21+22	93.6	100.0	115.9	127.8	126.6	10.3	-0.9
रबड़, पैट्रोलियम उत्पाद	23+25	124.6	131.4	137.3	140.3	146.4	2.2	4.3
रसायन व रसायन उत्पाद	24	112.4	116.5	126.0	144.9	157.0	15.0	8.4
अधात्विक उत्पाद	26	100.0	105.1	108.9	110.6	122.8	1.6	11.0
मूल धातु	271+272+2731+2732	106.2	116.0	126.6	133.5	154.6	5.5	15.8
धातु उत्पाद व मशीनरी	28+29+30	93.2	105.5	114.7	128.2	137.5	11.7	7.3
विद्युत मशीनरी	31+32	132.9	118.7	142.1	180.3	204.4	26.8	13.4
अन्य विनिर्माण	33+369	121.6	121.6	131.0	155.3	194.4	18.5	25.2
परिवहन उपस्कर	34+35	104.7	120.0	140.4	146.2	164.8	4.2	12.7
विनिर्माण	151-372	108.3	114.9	123.3	134.6	146.9	9.2	9.1
विद्युत	401	107.2	110.6	116.2	122.2	128.6	5.2	5.2
साधारण	10-40	107.8	114.0	122.0	132.2	143.0	8.4	8.2

2.07 *सेवा क्षेत्र का निष्पादन* : सारणी 5 में पिछले कुछ वर्षों के दौरान वितरण, संचार और वित्तीय सेवाओं का निष्पादन दर्शाने वाले कुछ मुख्य सूचकांक शामिल है । संचार क्षेत्र में गत वर्ष 28.7 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 45.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई । समस्त जमा पूंजी में गत वर्ष 13.4 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 24.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। सकल व्यापार आय में गत वर्ष 7.4 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।

सारणी-5: सेवा क्षेत्र के निष्पादन लिए प्रमुख संकेतक

मद		सूचकांक 1999-2000=100							वृद्धि दर	
		1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2004-05	2005-06
1.	सकल व्यापार आय का सूचकांक	100.0	104.3	108.7	113.9	125.0	134.2	143.2	7.4	6.7
2.	रेलवे									
2.1	यात्री निवल किलोमीटर	100.0	110.0	115.1	115.1	119.6	126.9	140.1	6.1	10.4
2.2	माल टन किलोमीटर	100.0	101.8	108.2	116.3	124.3	134.1	145.3	7.9	8.4
3.	संचार	100.0	122.3	151.2	184.0	258.4	332.6	482.6	28.7	45.1
4.	प्रमुख बंदरगाहों पर उठाए गए माल की मात्रा का सूचकांक (वास्तविक रूप में वर्ष के अंत में)	100.0	103.3	105.8	115.3	126.7	141.1	155.6	11.4	10.3
5.	वास्तविक रूप में वर्ष के अंत में समाहारित जमा का सूचकांक	100.0	110.9	125.1	140.2	156.1	176.9	219.9	13.4	24.3

2.08 तालिका 6 से हाल के वर्षों के दौरान अर्थव्यवस्था के ढांचे में हुए उन परिवर्तनों का पता चलता है जो परिवर्तन के स्वरूप के अनुसार वर्ष 1999-2000 से सकल घरेलू उत्पाद की संरचना में किए गए हैं। ऐसा देखा गया है कि जहां एक ओर वर्ष 2005-06 में प्रचलित और स्थिर मूल्यों पर प्राथमिक क्षेत्र का अंश वर्ष 1999-2000 में 25.0 प्रतिशत से घटकर क्रमशः 18.3 प्रतिशत और 19.7 प्रतिशत हो गया है वहीं दूसरी ओर वर्ष 2005-06 में प्रचलित और स्थिर मूल्यों पर तृतीयक (सेवा)क्षेत्र का अंश वर्ष 1999-2000 के 49.7 प्रतिशत से बढ़कर 54.1 प्रतिशत हो गया है ।

सारणी-6: व्यापक क्षेत्रों के अनुसार सकल देशीय उत्पाद

उद्योग		प्रतिशत अंश प्रचलित भावों पर			प्रतिशत अंश 1999-2000 के भावों पर	
		1999-00	2004-05	2005-06	2004-05	2005-06
1	कृषि, वानिकी एवं मत्स्यन	25.0	18.8	18.3	20.2	19.7
2	खनन, विनिर्माण, विद्युत,एवं निर्माण	25.3	27.5	27.6	26.1	26.2
3	सेवाएं *	49.7	53.7	54.1	53.7	54.1
जोड़		100.0	100.0	100.0	100.0	100.0

* व्यापार, होटल एवं जलपानगृह, परिवहन भण्डारण तथा संचार , वित्त व्यवस्था, बीमा, स्थावर संपदा एवं व्यावसायिक सेवाए, सामुदायिक, सामाजिक एवं वैयक्तिक सेवाएं शामिल हैं ।

सकल देशीय उत्पाद का प्रतिशत अंश
(प्रचलित भावों पर)

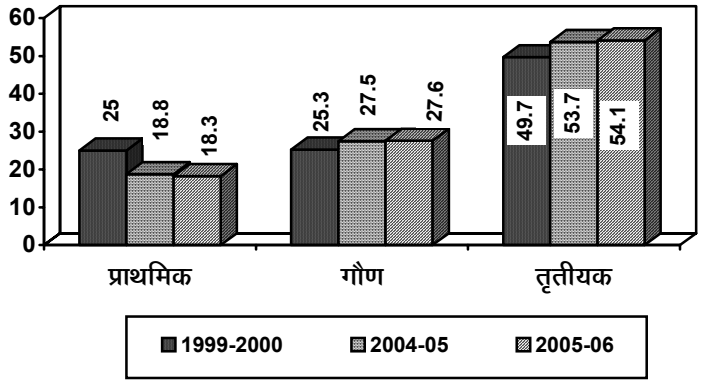

2.09 वर्ष 2004-05 के दौरान प्रत्यक्ष रूप से एकत्रित मूल्य आंकड़ों पर आधारित विभिन्न मूल्य सूचकांकों की प्रतिशत वृद्धि दर 3.9 से लेकर 4.8 तक भिन्न-भिन्न रही। मूल्य आंकड़ों पर आधारित इन मूल्य सूचकांकों की प्रवृत्ति के सामंजस्य में निवल घरेलू उत्पाद के प्रचलित और स्थिर मूल्य अनुमानों में अंतर्निहित मूल्य सूचकांक में वर्ष 2005-06 में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।

सारणी-7: मूल्य सूचकांक (1999-2000=100)

मद		2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	वृद्धि		
						2003-04	2004-05	2005-06
क	राष्ट्रीय लेखा से व्युत्पन्न(अंतर्निहित)							
1.	निवल देशीय उत्पाद	110.5	114.5	118.7	123.8	3.6	3.7	4.3
2.	निजी अंतिम उपभोग व्यय	110.6	114.7	118.6	122.6	3.7	3.4	3.4
3	सकल पूंजी निर्माण	112.3	116.8	125.2	132.1	4.0	7.2	5.5
3.1	निर्माण कार्य	112.4	117.1	125.6	132.0	4.2	7.3	5.1
3.2	मशीनरी एवं उपस्कर	112.3	116.6	124.8	132.1	3.8	7.0	5.8
ख	यथा उपलब्ध							
4.	थोक मूल्य सूचकांक	114.8	121.1	128.9	134.6	5.5	6.4	4.4
5.	उपभोक्ता मूल्य *							
5.1	कृषि मजदूर	103.9	108.0	110.8	115.1	3.9	2.6	3.9
5.2	औद्योगिक श्रमिक	112.6	116.8	121.2	126.6	3.7	3.8	4.5
5.3	शहरी गैर श्रमिक कर्मचारी	115.2	119.5	123.8	129.7	3.7	3.6	4.8

*** सूचकांक 1999-2000 से भिन्न आधार पर उपलब्ध हैं । इन्हें 1999-2000 =100 के आधार पर परिवर्तित किया गया है ।**

उपभोग व्यय, बचत और पूंजी निर्माण

2.10 बाजार मूल्यों पर सकल देशीय उत्पाद (जीडीपी), कारक लागत पर सकल देशीय उत्पाद में अप्रत्यक्ष कर एवं समायोजित आर्थिक सहायता को जोड़कर प्राप्त किया जाता है । सामान्यतः जीडीपी पर व्यय के विभिन्न घटकों उदाहरणार्थ, उपभोग व्यय और पूंजी निर्माण के रूप में बाजार मूल्य पर मापा जाता है, निम्नलिखित पैराग्राफ में केवल बाजार मूल्य पर अनुमानों के संबंध में चर्चा की गई है ।

निजी अंतिम उपभोग व्यय

2.11 देशीय बाजार में प्रचलित और स्थिर दोनों मूल्यों पर निजी अंतिम उपभेग व्यय (पीएफसीई) के अनुमान सारणी-8 में दिये गये हैं । 2004-05 में प्रचलित मूल्य पर 18,73,729 करोड़ रूपये के पी एफसीई के मुकाबले में 2005-06 में 20,72,079 करोड़ रू. निकाला गया है । इस प्रकार 2005-06 में पीएफसीई , बाजार मूल्य पर जीडीपी का 58.1 प्रतिशत बनता है । वर्ष 2004-05 के स्थिर (1999-00) मूल्यों पर 15,79,255 करोड़ रू. के पीएफसीई के मुकाबले में 2005-06 में 16,89,861 करोड़ रू. निकलता है । प्रति व्यक्ति निजी अंतिम उपभोग व्यय वर्ष 2005-06 में प्रचलित एवं स्थिर (1999-00) मूल्यों पर क्रमशः 18,718 एवं 15,265 रू. रहा जबकि वर्ष 2004-05 में यह प्रचलित मूल्यों पर 17,190 रू. एवं स्थिर मूल्यों पर 14,489 रू. था। (सारणी-9 देखें) पिछले वर्ष की तुलना में लगभग सभी समूहों के व्यय में प्रचलित और स्थिर दोनों मूल्यों पर 2005-06 में वृद्धि हुई। उसी प्रकार इन दो वर्षों के दौरान विभिन्न समूहों का हिस्सा कम या अधिक उसी क्रम में रहा ।

सारणी-8: देशीय बाजार में निजी अंतिम उपभोग व्यय

वर्ष	प्रचलित मूल्यों पर		1999-2000 के मूल्यों पर		1999-2000 के मूल्यों पर पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि	
	योग (करोड़ रूपये)	प्रति व्यक्ति (रूपये)	योग (करोड़ रूपये)	प्रति व्यक्ति (रूपय)	योग	प्रति व्यक्ति
1999-00	1257541	12563	1257541	12563		
2000-01	1346418	13213	1292986	12689	2.8	1.0
2001-02	1466353	14127	1367758	13177	5.8	3.8
2002-03	1545126	14646	1397069	13242	2.1	0.5
2003-04	1713450	15969	1493871	13922	6.9	5.1
2004-05	1873729	17190	1579255	14489	5.7	4.1
2005-06	2072079	18718	1689861	15265	7.0	5.4

सारणी-9: देशीय बाजार में वस्तुओं एवं सेवाओं के अनुसार निजी अंतिम उपभोग व्यय

(करोड़ रूपये)

मद	प्रचलित मूल्यों पर				1999-2000 के मूल्यों पर		
	1999-00	2003-04	2004-05	2005-06	2003-04	2004-05	2005-06
खाद्य, पेय पदार्थ एवं तंबाकू	647011	720807	742609	816855	657626	652864	684665
कपड़े एवं जूते	66292	86430	100164	104406	76682	86961	95908
सकल भाड़ा, ईंधन एवं शक्ति	143558	213526	228816	244258	161109	165973	170225
फर्नीचर, साजसज्जा, उपस्कर एवं सेवाएं	40939	57390	64897	75120	51094	55975	62830
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं	54825	101855	117438	135483	90038	101327	112434
परिवहन एवं संचार	164524	289659	344961	396393	249494	280567	304252
मनोविनोद, शिक्षा एवं सांस्कृतिक सेवाएं	42779	65771	76375	86058	60036	69879	78061
विविध पदार्थ एवं सेवाएं	97613	178012	198469	213506	147792	165709	181486
देशीय बाजार में निजी अंतिम उपभोग व्यय	**1257541**	**1713450**	**1873729**	**2072079**	**1493871**	**1579255**	**1689861**

देशीय बाजार में निजी अंतिम उपभोग व्यय में उपभोग किए गए विभिन्न समूहों का अंश (प्रचलित मूल्यों पर)

1999-2000

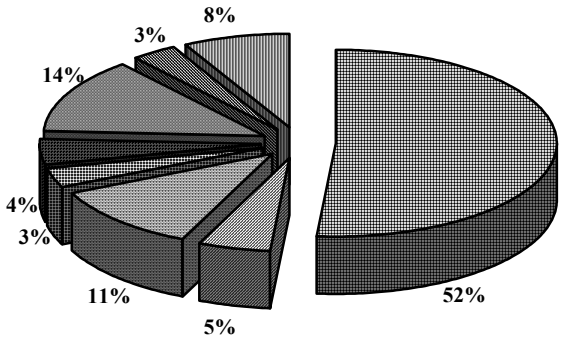

2004-05

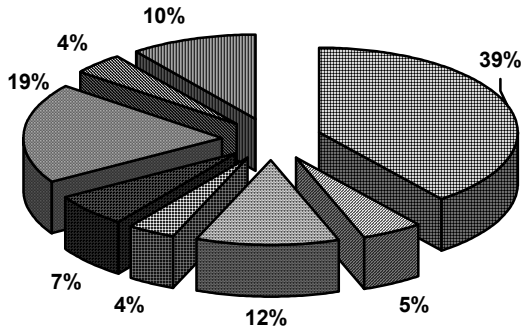

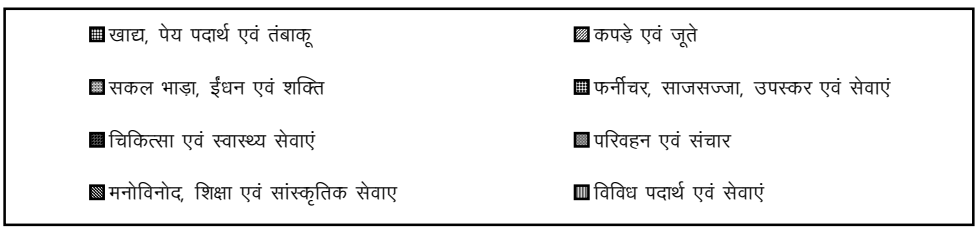

देशीय बचत

2.12 2005-06 में प्रचलित मूल्य पर सकल घरेलू बचत, पिछले वर्ष 31.1 प्रतिशत के मुकाबले बाजार मूल्य पर जीडीपी का 32.4 प्रतिशत बनाते हुए, 2004-05 में 9,73,028 करोड़ रू. के मुकाबले 11,56,809 करोड़ रू. के बराबर मानी गयी (सारणी 10 देखें)। सार्वजनिक क्षेत्र के अतिरिक्त सभी क्षेत्रों का जीडीएस की बढ़ोतरी में योगदान रहा । पारिवारिक क्षेत्र की वित्तीय एवं प्रत्यक्ष □रिसम□तियों के रू□ में बचत क्रमशः वर्ष 2004-05 के 3,18,791 करोड़ रू. एवं 3,56,043 करोड़ रू. की तुलना में वर्ष 2005-06 में बढकर क्रमशः 4,16,462 करोड़ रू. तथा 3,80,655 करोड़ रू. हो गई। निजी निगमित क्षेत्र की बचत 2004-05 में 2,23,512 करोड़ रू. से बढ़कर 2005-06 में 2,88,430 करोड़ रूपये हो गई। सार्वजनिक क्षेत्र की बचत 2004-05 में 74,682 करोड़ रूपये से घटकर 2005-06 में 71,262 करोड़ रूपये हो गई। सार्वजनिक क्षेत्र की बचत में गिरावट का प्रमुख कारण ऋणात्मक डिससेविंग के कारण है ज□ कि वर्ष 2004-05 में (-)60,904 कराड़ रु□ये से वर्ष 2005-06 में (-)68,270 कराड़ रु□ये ह□ गयी तथा गैर विभागीय उद्यमों की बचत 2004-05 में 1,35,586 कराड़ रु□ये के स्थान □र 2005-06 में 1,39,532 कराड़ रु□ये ह□ गयी। तदनुसार निवल घरेलू बचत 2004-05 के 6,40,538 करोड़ रूपये से बढ़कर 2005-06 में 7,77,609 करोड़ रूपये हो गई है तथा बाज़ार मूल्य □र निवल देशीय उत्□ाद का वर्ष 2004-05 में 22.9 प्रतिशत तथा वर्ष 2005-06 में 24.4 प्रतिशत था ।

सारणी-10: देशीय बचत

(प्रचलित मूल्यों पर)

(करोड़ रूपये)

मद		1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
1.	सकल घरेलू बचत	484256	497218	535583	648982	820504	973028	1156809
1.1	पारिवारिक क्षेत्र	412516	442136	496958	559074	657327	674834	797117
1.2	निजी निगमित क्षेत्र	87234	90143	85203	103965	131355	223512	288430
1.3	सार्वजनिक क्षेत्र	-15494	-35061	-46578	-14057	31822	74682	71262
2.	निवल देशीय बचत	298663	290923	303131	394215	535802	640538	777609
2.1	पारिवारिक क्षेत्र	347617	368593	412632	464342	549279	546705	651272
2.2	निजी निगमित क्षेत्र	42694	37485	24184	36371	54615	132203	179310
2.3	सार्वजनिक क्षेत्र	-91648	-115155	-133685	-106498	-68092	-38370	-52973
3.	निवल पूंजी अंतरप्रवाह	21988	12754	-14229	-28486	-45380	13338	47665
4.	बाजार भावों पर सकल देशीय उत्पाद	1952035	2102375	2281058	2458084	2765491	3126596	3567177
5.	सकल बचत प्रतिशत की दर	24.8	23.7	23.5	26.4	29.7	31.1	32.4
5.1	पारिवारिक क्षेत्र	21.1	21.0	21.8	22.7	23.8	21.6	22.3
5.2	निजी निगमित क्षेत्र	4.5	4.3	3.7	4.2	4.7	7.1	8.1
5.3	सार्वजनिक क्षेत्र	-0.8	-1.7	-2.0	-0.6	1.2	2.4	2.0

देशीय बचत

(करोड़ रूपये)

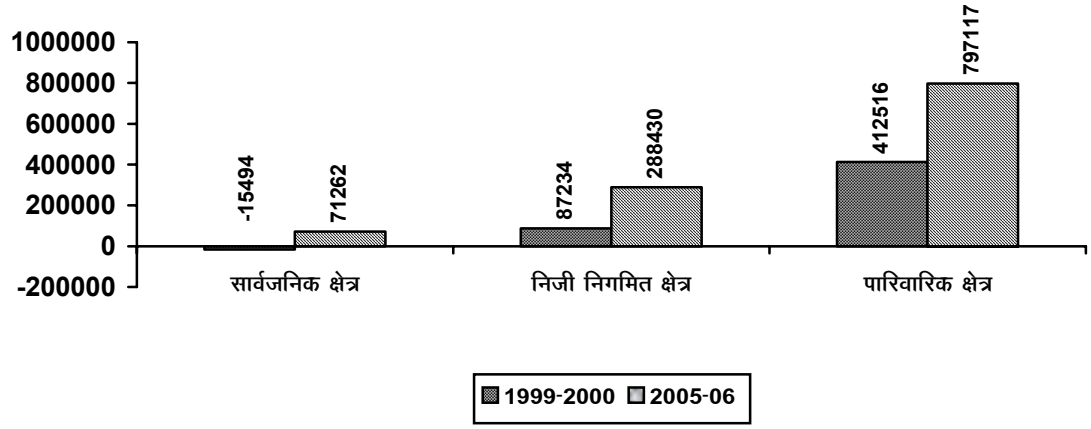

पूंजी निर्माण

2.13 प्रचलित मूल्यों पर सकल पूंजी निर्माण 2004-05 में 9,86,366 करोड़ रूपये से बढ़कर 2005-06 में 12,04,474 करोड़ रूपये हुई और स्थिर(1999-2000) मूल्यों पर यह 2004-05 में 7,84,747 करोड़ रूपये से 2005-06 में 9,13,948 करोड़ रूपये हो गई (सारणी-11 में समायोजित अनुमान देखें)। प्रचलित मूल्यों पर सकल पूंजी निर्माण की दर 2004-05 में 31.5 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2005-06 में 33.8 प्रतिशत हो गई । विदेश से 47,655 करोड़ रू. निवल पूंजी अंर्तप्रवाह के कारण, वर्ष 2005-06 में पूंजी निर्माण की दर बचत दर से अधिक रही। सकल पूंजी निर्माण की दर भी स्थिर (1999-00) मूल्यों पर 2004-05 में 30.2 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 2005-06 में 32.2 प्रतिशत हो गई। प्रचलित मूल्यों पर निवल पूंजी निर्माण की दर, 2004-05 में 23.4 प्रतिशत की तुलना में 2005-06 में 25.9 प्रतिशत हो गई।

सारणी-11: पूंजी निर्माण

(करोड़ रूपये)

मद		प्रचलित मूल्यों पर				1999-2000 के मूल्यों पर		
		1999-00	2003-04	2004-05	2005-06	2003-04	2004-05	2005-06
1.	सकल पूंजी निर्माण	509518	734586	927629	1147254	624680	737823	870619
1.1	सकल स्थायी पूंजी निर्माण	456416	687150	822786	1000761	588088	657317	757806
1.1.1	सार्वजनिक	129286	177736	204638	245898	152835	162613	184836
1.1.2	निजी निगमित	127412	173215	269012	383708	145015	212749	287544
1.1.3	पारिवारिक	199718	336199	349136	371154	290238	281955	285426
1.2	स्टॉक में अंतर	37583	22863	63789	104036	15051	46633	78821
1.2.1	सार्वजनिक	15324	-3139	15849	18528	-7595	6521	10648
1.2.2	निजी निगमित	16063	18134	41033	76007	15763	33599	60154
1.2.3	पारिवारिक	6196	7868	6907	9501	6883	6513	8019
2.	भूलचूक	-3274	40538	58737	57220	34695	46924	43329
3.	सकल पूंजी निर्माण समायोजित							
3.1	सकल	506244	775124	986366	1204474	659375	784747	913948
3.2	निवल	320651	490422	653876	825274	414227	520386	628429
4.	बाजार मूल्य पर देशीय उत्पाद में पूंजी निर्माण की प्रतिशतता							
4.1	सकल	25.9	28.0	31.5	33.8	27.4	30.2	32.2
4.2	निवल	18.2	19.8	23.4	25.9	19.2	22.3	24.6

पूंजी निर्माण प्रचलित मूल्यों पर

(प्रतिशत अंश)

1999-2000 **2005-06**

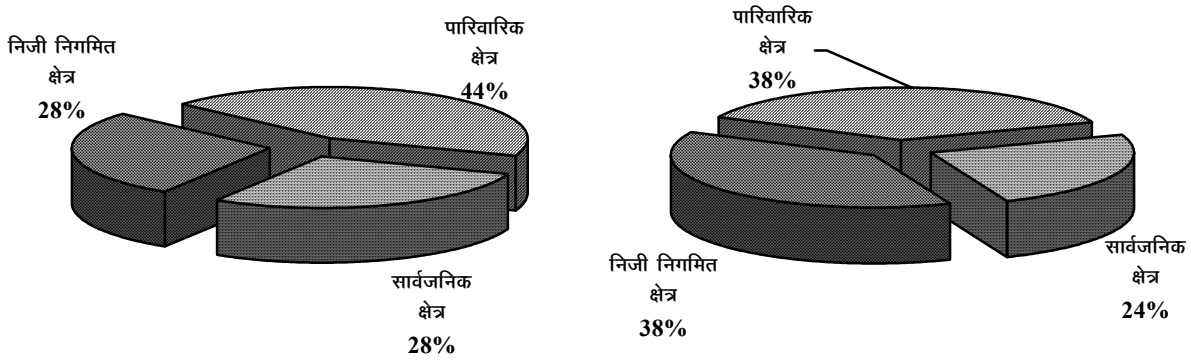

2.14 प्रचलित दरों पर सकल स्थिर पूंजी निर्माण 2004-05 के 8,22,786 करोड़ रू. की तुलना में 2005-06 में 10,00,761 करोड़ रू. हो गया । प्रचलित मूल्यों पर सार्वजनिक क्षेत्र का स्थिर पूंजी निर्माण 2004-05 में 2,04,638 करोड़ रू. से बढ़कर 2005-06 में 2,45,898 करोड़ रू. हो गया जबकि निजी निगमित क्षेत्र में 2004-05 में 2,69,012 करोड़ रू. से बढ़कर 2005-06 में 3,83,708 करोड़ रू. हो गया तथा घरेलू क्षेत्र में 2004-05 के 3,49,136 करोड़ रू. की तुलना में वर्ष 2005-06 में 3,71,154 करोड़ रू. हो गया ।

2.15 प्रचलित मूल्यों पर इन्वेन्टरी में परिवर्तन, 2004-05 में 63,789 करोड़ रूपये से 2005-06 में 1,04,036 करोड़ हो गया । सार्वजनिक क्षेत्र में वर्ष 2004-05 में 15,849 करोड़ रू. की तुलना में 2005-06 में 18,528 करोड़ रू. हो गया । निजी निगमित क्षेत्र में यह वर्ष 2004-05 के 41,033 करोड़ रू से बढ़कर वर्ष 2005-06 में 76,007 करोड़ रू. हो गयी । पारिवारिक क्षेत्र में यह वर्ष 2004-05 के 6,907 करोड़ की तुलना में बढ़कर वर्ष 2005-06 में 9,501 करोड़ हो गया ।

2.16 सारणी-12 में समग्र अर्थ व्यवस्था के साथ-साथ चुनिन्दा उद्योगों के लिए स्थिर (1999-00) मूल्यों पर भूलचूक के लिए असमायोजित सकल पूंजी निर्माण (जीसीएफ) के अनुमान दिए गए हैं । 'परिवहन, भंडारण एवं संचार ' क्षेत्र के सकल पूंजी निर्माण (जीसीएफ) में गिरावट के बावजूद भी, 'फसल एवं पशुपालन ' 'विनिर्माण ', तथा 'समुदाय, वैयक्तिक एवं सामाजिक सेवा ' के उद्योग-समूहों में सकल पूंजी निर्माण (जीसीएफ) में वृद्धि के कारण अर्थव्यवस्था में जीसीएफ में 18.0 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि हुई ।

सारणी-12: चयनित उद्योगों में सकल पूंजी निर्माण

(1999-2000 के भावों पर)

(करोड़ रूपये)

	उद्योग	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
1.	फसल एवं पशुपालन	50151	45186	55806	55668	53840	57253	64131
2.	विनिर्माण	174098	138330	103683	157018	196008	290137	373616
3.	परिवहन, भंडारण एवं संचार	58021	75806	58838	72608	70383	80122	78595
4.	समुदाय, सामाजिक एवं वैयक्तिक सेवाएं	55736	57366	70831	78710	81754	100335	128026
5.	कुल	509518	484950	495114	548554	624681	737822	870621

3. सार्वजनिक क्षेत्र

3.01 वर्ष 2005-06 में प्रशासनिक विभागों, विभागीय उद्यमों और गैर-विभागीय उद्यमों को शामिल कर सार्वजनिक क्षेत्र ने सकल घरेलू उत्पाद में 23.0 प्रतिशत का अंशदान किया तथा सकल घरेलू पूंजी निर्माण में 23.9 प्रतिशत का अंशदान किया जिसमें प्रमुख अंशदान प्रशासनिक विभागों एवं गैर-विभागीय उपक्रमों का था(तालिका 13 देखें)। सकल घरेलू उत्पाद में इसके अंशदान की तुलना में पूंजी निर्माण में इसका अंशदान अधिक था जबकि बचत में इसका अंशदान ऋणात्मक था। प्रशासनिक विभागों में पूंजी निर्माणकी बड़ी राशि या तो सड़कों एवं पुलों के रूप में अथवा अन्य निर्माण कार्यों के रूप में है, जिन्हें जनसमूह को निःशुल्क अथवा काफी रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक सेवाएं उत्पादन करने के लिए उपयोग किया गया है। गैर-विभागीय उद्यमों के मामले में आय तथा बचत में हिस्सा पूंजी निर्माण पर व्यय के हिस्से से अपेक्षाकृत कम है। पूंजी निर्माण का बड़ा अंश सार्वजनिक क्षेत्र से बाहर के संसाधनों से वित्त-पोषित किया जाता है।

सारणी-13: सार्वजनिक क्षेत्र का निष्पादन प्रचलित मूल्यों पर

(कुल अर्थव्यवस्था में प्रतिशत भाग)

मद		1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
1.	सकल देशीय उत्पाद	25.6	25.0	25.1	25.6	24.6	24.0	23.0
1.1	प्रशासनिक विभाग *	10.8	10.6	10.3	10.0	9.6	9.5	9.7
1.2	विभागीय उद्यम	4.2	3.6	3.1	3.1	2.7	2.7	2.5
1.3	गैर विभागीय उद्यम	10.6	10.8	11.7	12.5	12.3	11.8	10.8
2.	सकल देशीय पूंजी निर्माण	29.3	29.4	29.6	24.9	24.6	24.9	23.9
2.1	प्रशासनिक विभाग *	9.4	10.6	11.3	10.7	9.5	10.1	10.4
2.2	विभागीय उद्यम	5.8	0.5	3.5	3.2	2.4	2.8	3.1
2.3	गैस-विभागीय उद्यम	14.1	18.3	14.8	11.0	12.7	12.0	10.4
3.	सकल देशीय बचत	-3.2	-7.1	-8.7	-2.2	3.9	7.7	6.2
3.1	प्रशासनिक विभाग *	-20.5	-23.5	-26.2	-19.9	-12.2	-8.3	-7.8
3.2	विभागीय उद्यम	5.3	4.0	2.8	2.4	2.1	2.1	1.9
3.3	गैस-विभागीय उद्यम	12.0	12.4	14.7	15.3	14.0	13.9	12.1

*अर्ध सरकारी निकाय में सार्वजनिक क्षेत्र शामिल हैं ।

3.02 प्रचलित मूल्यों पर सकल घरेलू पूंजी-निर्माण में सार्वजनिक क्षेत्र का अंश जो 1999-00 में 29.3 प्रतिशत था वह वर्ष 2005-06 में घटकर 23.9 प्रतिशत रह गया । सकल देशीय पूंजी निर्माण में सार्वजनिक क्षेत्र के भाग में ह्रास, इस अवधि के दौरान विभागीय तथा गैर विभागीय उद्यमों के संगत भाग के ह्रास के कारण हुआ । सकल घरेलू बचत में सार्वजनिक क्षेत्र का भाग 1999-00 में (-)3.2 प्रतिशत से बढ़कर 2005-06 में 6.2 प्रतिशत हो गया ।

3.03 सारणी-14 सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में स्थिर (1999-00) मूल्यों पर सकल देशीय उत्पाद में वृद्धि को दर्शाता है । यह स्पष्ट है कि सार्वजनिक क्षेत्र में वृद्धि की प्रवृत्ति निजी क्षेत्र में वृद्धि, प्रवृत्ति के अनुसार नहीं है । गैर विभागीय उद्यम जो पूर्णतः वाणिज्यक प्रकृत्ति के हैं के लिए भी प्रवृत्ति समरूप नहीं है । यह स्पष्ट है क्योंकि निजी क्षेत्र में प्रवृत्ति, समस्या और दिक्कते सार्वजनिक क्षेत्र से भिन्न हैं । सार्वजनिक क्षेत्र के कार्यकलाप जो मुख्यतः कुल विद्युत कवरेज, गैस तथा जल-आपूर्ति, रेलवे, संचार, लोक प्रशासन और बैंकिंग और बीमा क्षेत्र के अलावा अन्य सेवाओं(शिक्षा और चिकित्सा), के उत्पादन करने वाले क्षेत्रों, विनिर्माण और भंडारण में संकेद्रित हैं । कार्यकलापों के गैर-तुलनीय संयोजनों, मूल आंकड़ा तथा इन दो संस्थागत क्षेत्रों के बीच सकल घरेलू उत्पाद के परिकलन में सादृश्य की भिन्नताओं के कारण आर्थिक कार्यकलापों के प्रकार द्वारा कोई विश्लेषण अर्थपूर्ण नहीं हो सकता ।

सारणी-14: सकल देशीय उत्पाद में वृद्धि

(1999-2000 के मूल्यों पर)

(प्रतिशत)

वर्ष	कुल सकल देशीय उत्पाद	सकल देशीय उत्पाद-सार्वजनिक क्षेत्र				सकल देशीय उत्पाद-निजी क्षेत्र		
		कुल	प्रशासनिक *	विभागीय वाणिज्यिक	अविभागीय वाणिज्यिक	कुल	कृषि	कृषितर
2000-01	4.4	1.8	2.5	4.4	0.0	5.3	-0.2	8.0
2001-02	5.8	5.8	1.5	4.0	11.2	5.8	6.3	5.6
2002-03	3.8	5.4	1.0	-4.3	13.3	3.3	-7.2	8.2
2003-04	8.5	4.9	3.5	-6.0	9.7	9.8	10	9.7
2004-05	7.5	4.1	6.8	-10.9	6.1	8.6	0.0	12.1
2005-06	9.0	6.8	3.9	9.2	8.5	9.7	6.0	11.0

*अर्ध सरकारी निकाय में सार्वजनिक क्षेत्र शामिल हें ।

3.04 सारणी-15 वर्ष 1999-00, 2003-04 तथा 2004-05 के लिये प्रचलित मूल्यों पर सरकारी व्यय का प्रयोजनात्मक वितरण दर्शाता है । यह देखा गया है कि वर्ष 1999-00 से 2004-05 के दौरान, प्रचलित व्यय मे बढ़ोतरी 47 प्रतिशत से अधिक हुई है जबकि पूंजीगत व्यय में यह बढ़ोतरी 86 प्रतिशत हुई है ।

सारणी-15: प्रशासनिक विभागों के व्यय का प्रयोजनात्मक वर्गीकरण

(प्रचलित मूल्यों पर)

(करोड़ रूपये)

	प्रयोजन	1999-2000		2003-04		2004-05	
		प्रचलित व्यय	पूंजीगत व्यय	प्रचलित व्यय	पूंजीगत व्यय	प्रचलित व्यय	पूंजीगत व्यय
1.	सामान्य सार्वजनिक सेवाएं	54330	5358	76952	18910	81160	40341
2.	रक्षा	56241	268	76870	2405	87921	4187
3.	शिक्षा सेवाएं	68527	1793	80303	2081	87956	2458
3.1	प्रशासन, विनियमन एवं अनुसंधान	3976	48	11420	135	13503	154
3.2	शैक्षणिक सेवाऐं	64551	1745	68883	1946	74453	2304
4.	स्वास्थ्य एवं अन्य सेवाएं	13910	1694	17134	2019	20147	2466
4.1	प्रशासन विनियमन एवं अनुसंधान	1493	76	3234	319	3572	333
4.2	स्वास्थ्य सेवाएं	12417	1618	13900	1700	16575	2133
5.	सामाजिक सुरक्षा और कल्याण सेवाएं	14469	1413	18580	2201	21324	2352
6.	आवासीय और अन्य सामुदायिक सुविधाएं	10672	16314	14222	28096	16215	28668
7.	सांस्कृतिक, मनोविनोद	2401	560	4366	909	4986	1002
8.	आर्थिक सेवाएं	96252	56129	129204	86040	143568	73987
8.1	सामान्य प्रशासन, विनियमन और अनुसंधान	18608	8222	6770	1207	5610	2428
8.2	कृषि, वानिकी, मत्स्यन और आखेटन	39101	4241	56802	13088	63679	10193
8.3	खनन, विनिर्माण और निर्माण	15426	5376	24445	5113	25363	4833
8.4	विद्युत, गैस, भाप और ऊर्जा के अन्य स्रोत्	9221	12294	18170	33815	24261	23771
8.5	जल आपूर्ति	4053	10330	4009	8344	4233	7363
8.6	परिवहन और संचार	6833	14306	8982	22229	8130	23204
8.7	अन्य आर्थिक सेवाएं	3010	1360	10026	2244	12292	2195
9.	वातावरण सुरक्षा	172	207	961	76	1164	122
10.	विपदा राहत तथा अन्य विविध सेवायें	717	267	1769	795	1916	797
11	जोड़	317691	84003	420361	143532	466357	156380

4. लम्बी अवधि की प्रवृत्ति

4.01 1950-51 से 2005-06 की दीर्घकालिक अंकमाला सारणी 16 में वृद्धि दरों तथा अन्य दरों (अर्थात् पूंजी निर्माण दर आदि) के रूप में संक्षिप्त रूप में वर्णन किया गया है । 2000-01 से 2005-06 के दौरान प्रति व्यक्ति आय ने स्थिर (1999-00) मूल्यों पर प्रति वर्ष 4.6 प्रतिशत की वार्षिक औसत वृद्धि दर्ज की । राष्ट्रीय आय इसी अवधि के दौरान 6.4 प्रतिशत की औसत दर से बढ़ी । प्रति व्यक्ति

आय में वृद्धि का उच्चतम स्तर जो कि 7.4 प्रतिशत है वर्ष 2005-06 में दसवीं पंचवर्षीय योजना अवधि में प्राप्त किया गया । निजी अंतिम उपभोग व्यय, सरकारी अंतिम उपभोग व्यय, तथा सकल देशीय पूंजी निर्माण जैसे व्यय समाहारों ने 2000-06 के दौरान में 1999-00 मूल्यों पर क्रमशः 5.1, 1.7 एवं 10.8 प्रतिशत वृद्धि दरें दर्ज की हैं ।

सारणी-16 (क) : वार्षिक औसत वृद्धि दर

योजना अवधि		कारक लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद		कारक लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद		कारक लागत पर प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय उत्पाद	
		प्रचलित भावों पर	1999-00 के भावों पर	प्रचलित भावों पर	1999-00 के भावों पर	प्रचलित भावों पर	1999-00 के भावों पर
प्रथम योजना	1951-56	1.8	3.7	1.5	3.6	-0.3	1.8
द्वितीय योजना	1956-61	9.5	4.2	9.4	4.1	7.3	2.0
तृतीय योजना	1961-66	9.6	2.8	9.5	2.5	7.1	0.2
वार्षिक योजना	1966-69	12.2	3.9	12.2	3.8	9.8	1.5
चतुर्थ योजना	1969-74	11.1	3.4	11.0	3.3	8.5	1.0
पंचम योजना	1974-79	10.7	5.0	10.4	5.0	7.9	2.7
वार्षिक योजना	1979-80	9.4	-5.0	8.3	-6.0	5.7	-8.3
छठी योजना	1980-85	15.2	5.5	15.1	5.4	12.7	3.2
सातवीं योजना	1985-90	14.4	5.8	14.2	5.8	11.8	3.6
वार्षिक योजना	1990-91	16.5	5.5	16.7	5.4	14.3	3.3
वार्षिक योजना	1991-92	15.0	1.1	14.3	0.5	12.0	-1.5
आठवीं योजना	1992-97	16.3	6.8	16.3	6.7	14.0	4.6
नवीं योजना	1997-99	10.9	5.6	11.1	5.5	9.1	3.6
	2000-02	8.4	5.0	8.0	4.8	6.0	2.9
दसवीं योजना	2002-03	8.1	3.9	7.9	3.5	6.2	1.9
	2003-04	12.6	8.7	12.7	8.8	10.8	7.0
	2004-05	11.9	7.4	11.3	7.3	9.6	5.7
	2005-06	13.8	9.0	13.8	9.1	12.1	7.4
औसत	1951-99	11.2	4.5	11.1	4.4	8.8	2.3
	2000-06	10.5	6.5	10.3	6.4	8.4	4.6

नाट:1998-99 तक के समस्त आंक्डों का आधार 1993-94 तथा 1999-2000 से आगे के आंक्डों का आधार 1999-2000 है।

सारणी-16 (ख) : प्रमुख खर्च समाहारों की वृद्धि दर

योजना अवधि		देशीय बाजार में निजी अंतिम उपभोग व्यय		सरकारी अंतिम उपभोग व्यय		सकल देशीय पूंजी निर्माण		सकल बचत
		प्रचलित भावों पर	1999-00 के भावों	प्रचलित भावों पर	1999-00 के भावों	प्रचलित भावों पर	1999-00 के भावों	प्रचलित भावों पर
प्रथम योजना	1951-56	उप.नही है	4.1	5.1	1.2	13.2	10.4	10.2
द्वितीय योजना	1956-61	उप.नही है	3.7	9.8	6.1	13.1	7.1	8.5
तृतीय योजना	1961-66	8.8	2.6	16.6	13.1	12.8	7.5	14.4
वार्षिक योजना	1960-69	10.8	3.2	10.1	2.8	5.2	-1.7	7.0
चतुर्थ योजना	1969-74	10.6	2.4	11.0	5.7	17.9	7.3	19.1
पंचम योजना	1974-79	10.3	4.4	13.6	4.8	16.0	6.9	16.6
वार्षिक योजना	1979-80	8.6	-2.2	15.0	6.3	4.6	-11.6	2.7
छठी योजना	1980-85	14.4	5.0	16.4	6.1	14.7	4.0	13.7
सातवीं योजना	1985-90	12.1	4.4	16.8	7.8	19.5	9.0	18.5
वार्षिक योजना	1990-91	14.3	4.5	14.0	3.4	25.4	13.7	22.8
वार्षिक योजना	1991-92	15.3	2.2	12.5	-0.7	-1.5	-12.3	9.6
आठवीं योजना	1992-97	15.2	5.1	14.5	4.7	18.2	9.6	17.4
नवीं योजना	1997-99	10.5	4.7	14.4	8.1	9.2	5.0	11.1
	2000-02	8.0	4.3	5.7	1.2	1.5	-3.1	5.2
दसवीं योजना	2002-03	5.4	2.1	3.3	-0.4	19.0	16.6	21.2
	2003-04	10.9	6.9	6.6	2.5	24.9	19.1	26.4
	2004-05	9.4	5.7	10.3	5.4	27.3	19.0	18.6
	2005-06	10.6	7.0	18.1	9.8	22.1	16.5	18.9
औसत	1951-99	11.7*	3.9	12.7	5.8	14.3	6.6	14.1
	2000-06	8.7	5.1	8.3	1.7	16.0	10.8	15.9

*** 1961-99 से संबंधित**

नाट: 1998-99 तक के समस्त आंक्डों का आधार 1993-94 तथा 1999-2000 से आगे के आंक्डों का आधार 1999-2000 है।

5. कारक आय

5.01 सारणियां-17 (क), 17 (ख), 17 (ग), और 17 (घ) अर्थव्यवस्था के संगठित तथा असंगठित खण्डों हेतु पृथक-पृथक विस्तृत उद्योग समूहों की कारक आय का परिमाण तथा वितरण प्रस्तुत करती हैं । सारणी 17 (ख) से यह प्रमाणित होता है कि कुल निवल देशीय उत्पाद में संगठित क्षेत्र का भाग 1999-2000 में 38.9 प्रतिशत से बढ़कर 2004-05 में 42.0 प्रतिशत हो गया है । सामान्यतः यही रूख परिचालन अधिशेष (ओएस)/मिश्रित आय में भी प्रत्यक्षित होता है । असंगठित खंड के ओएस/एमआई के भाग में गिरावट उसी क्रम में है ।

संगठित और असंगठित क्षेत्रों से निवल देशीय उत्पाद में अंश
2004-05

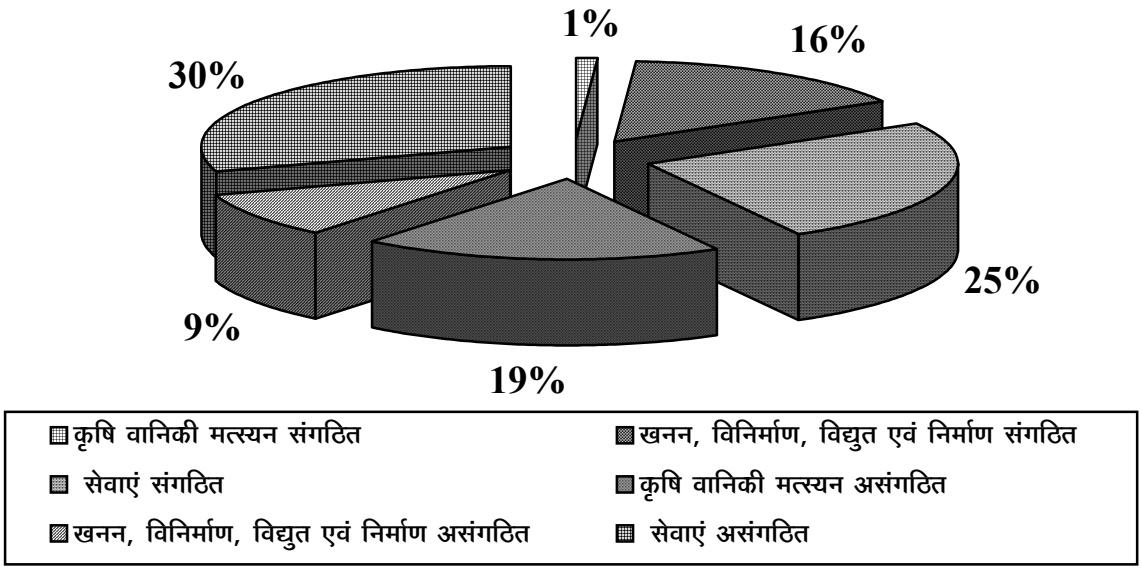

सारणी-17(क): वृहत उद्योग समूह में कारक आय

(करोड़ रूपये)

उद्योग		1999-2000			2004-05		
		संगठित	असंगठित	कुल	संगठित	असंगठित	कुल
अ. कृषि, वानिकी और मत्स्यन	1.क.पा.	8327	67681	76008	11513	81707	93220
	2.प.अ./मि.आ	6334	342216	348550	16318	391246	407564
	3. नि.मू.वृ.	14661	409897	424558	27831	472953	500784
ब. खनन, विनिर्माण, विद्युत और निर्माण	1.क.पा.	111810	68720	180530	178488	124889	303377
	2.प.अ./मि.आ	111519	70567	182086	216925	108114	325039
	3.नि.मू.वृ.	223329	139287	362616	395413	233003	628416
स. सेवाएं	1.क.पा.	259510	86995	346505	379934	143880	523814
	2.प.अ./मि.आ	125406	341847	467253	256302	614125	870427
	3. नि.मू.वृ.	384916	428842	813758	636236	758005	1394241
द. योग	1. .क.पा.	379647	223396	603043	569935	350476	920411
	2.प.अ./मि.आ	243259	754630	997889	489545	1113485	1603030
	3.नि.मू.वृ.	622906	978026	1600932	1059480	1463961	2523441

5.02 1999-2000 से 2004-05 की अवधि के दौरान कर्मचारियों की क्षतिपूर्ति (सीई) तथा मिश्रित आय एमआई / परिचालन अधिशेष के संदर्भ में अखिल भारतीय स्तर पर एनडीपी का आकार 38: 62 से 36: 64 हो गया है ।

सारणी-17 (ख): संगठित और असंगठित क्षेत्रों के अनुसार कारक आय का भाग

उद्योग		1999-2000			2004-05		
		संगठित	असंगठित	योग	संगठित	असंगठित	योग
अ. कृषि, वानिकी और मत्स्यन	1.क.पा.	11.0	89.0	100.0	12.4	87.6	100.0
	2.प.अ./मि.आ	1.8	98.2	100.0	4.0	96.0	100.0
	3. नि.मू.वृ.	3.5	96.5	100.0	5.6	94.4	100.0
ब. खनन, विनिर्माण, विद्युत और निर्माण	1.क.पा.	61.9	38.1	100.0	58.8	41.2	100.0
	2.प.अ./मि.आ	61.2	38.8	100.0	66.7	33.3	100.0
	3.नि.मू.वृ.	61.6	38.4	100.0	62.9	37.1	100.0
स. सेवाएं	1.क.पा.	74.9	25.1	100.0	72.5	27.5	100.0
	2.प.अ./मि.आ	26.8	73.2	100.0	29.4	70.6	100.0
	3. नि.मू.वृ.	47.3	52.7	100.0	45.6	54.4	100.0
द. योग	1. .क.पा.	63.0	37.0	100.0	61.9	38.1	100.0
	2.प.अ./मि.आ	24.4	75.6	100.0	30.5	69.5	100.0
	3.नि.मू.वृ.	38.9	61.1	100.0	42.0	58.0	100.0

सारणी 17 (ग): संगठित और असंगठित क्षेत्रों में वृहत उद्योग समूहों के अनुसार कारक आय का वितरण
(प्रतिशतता भाग)

उद्योग		1999-2000			2004-05		
		संगठित	असंगठित	योग	संगठित	असंगठित	योग
अ. कृषि, वानिकी और मत्स्यन	1.क.पा.	1.3	6.9	4.7	1.1	5.6	3.7
	2.प.अ./मि.आ	1.0	35.0	21.8	1.5	26.7	16.2
	3. नि.मू.वृ.	2.4	41.9	26.5	2.6	32.3	19.8
ब. खनन, विनिर्माण, विद्युत और निर्माण	1.क.पा.	17.9	7.0	11.3	16.8	8.5	12
	2.प.अ./मि.आ	17.9	7.2	11.4	20.5	7.4	12.9
	3.नि.मू.वृ.	35.9	14.2	22.7	37.3	15.9	24.9
स. सेवाएं	1.क.पा.	41.7	8.9	21.6	35.9	9.8	20.8
	2.प.अ./मि.आ	20.1	35	29.2	24.2	41.9	34.5
	3. नि.मू.वृ.	61.8	43.8	50.8	60.1	51.8	55.3
द. योग	1.क.पा.	60.9	22.8	37.7	53.8	23.9	36.5
	2.प.अ./मि.आ	39.1	77.2	62.3	46.2	76.1	63.5
	3.नि.मू.वृ.	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0

संगठित और असंगठित क्षेत्रों में वृहत उद्योग समूहों के अनुसार कारक आय का वितरण
2004-05

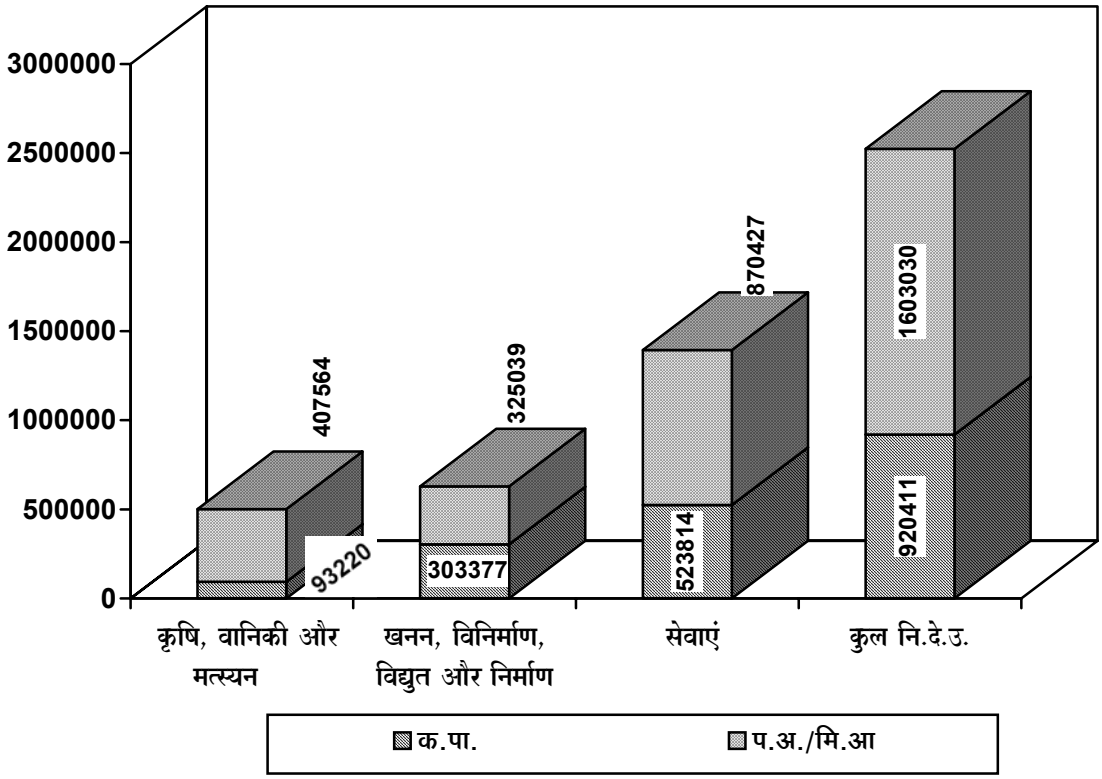

सारणी-17 (घ): वृहत उद्योग समूहों में कारक आय का भाग

उद्योग		1999-2000			2004-05		
		संगठित	असंगठित	योग	संगठित	असंगठित	योग
अ. कृषि, वानिकी और मत्स्यन	1.क.पा.	56.8	16.5	17.9	41.4	17.3	18.6
	2.प.अ./मि.आ	43.2	83.5	82.1	58.6	82.7	81.4
	3. नि.मू.वृ.	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0
ब. खनन, विनिर्माण, विद्युत और निर्माण	1.क.पा.	50.1	49.3	49.8	45.1	53.6	48.3
	2.प.अ./मि.आ	49.9	50.7	50.2	54.9	46.4	51.7
	3.नि.मू.वृ.	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0
स. सेवाएं	1.क.पा.	67.4	20.3	42.6	59.7	19.0	37.6
	2.प.अ./मि.आ	32.6	79.7	57.4	40.3	81.0	62.4
	3. नि.मू.वृ.	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0
द. योग	1.क.पा.	60.9	22.8	37.7	53.8	23.9	36.5
	2.प.अ./मि.आ	39.1	77.2	62.3	46.2	76.1	63.5
	3.नि.मू.वृ.	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0

वर्ष 2007 तथा 2008 के दौरान राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी संबंधी विभिन्न विमोचनों के अग्रिम कैलेण्डर का विमोचन

सकल देशीय उत्पाद के तिमाही अनुमान

(1)	2006-07 की तिमाही 4	31.05.2007
(2)	2007-08 की तिमाही 1	31.08.2007
(3)	2007-08 की तिमाही 2	30.11.2007
(4)	2007-08 की तिमाही 3	29.02.2008
(5)	2007-08 की तिमाही 4	30.05.2008
(6)	2008-09 की तिमाही 1	31.08.2008
(7)	2008-09 की तिमाही 2	28.11.2008

तिमाही 1 - अप्रैल-जून, तिमाही 2 - जुलाई-सितंबर, तिमाही 3 - अक्तूबर-दिसंबर, तिमाही 4 - जनवरी-मार्च

सकल देशीय उत्पाद के वार्षिक अनुमान

(1)	2006-07 के लिए संशोधित अनुमान	31.05.2007
(2)	2006-07 के लिए त्वरित अनुमान	31.01.2008
(3)	2007-08 के लिए अग्रिम अनुमान	07.02.2008
(4)	2007-08 के लिए संशोधित अनुमान	30.05.2008

****